वीयू–जनजातिय ज्ञान प्रणालियों द्वारा पशुपालन मैं सतत विकास विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में दिनांक 18 मार्च को एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, यह कार्यशाला सतत् विकास के लिए पशुधन प्रबंधन में जनजातीय ज्ञान प्रणालियां विषय पर जनजातीय अनुसंधान एवं विकास केंद्र नादेपचिविवि जबलपुर एवं ज्ञान भागीदार के रूप मैं जनजातीय अनुसंधान एवं ज्ञान केंद्र नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई, जिसका वित्त पोषण आई.सी.ए.आर. ट्राइबल सब प्लान नई दिल्ली द्वारा किया गया है, यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रो मनदीप शर्मा जी के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री दीपक खांडेकर अध्यक्ष ट्राइबल सेल राजभवन भोपाल से एवं विशिष्ट अथिति के तौर पर श्री उपस्थित रहे कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. सुनील नायक एवं आयोजन सचिव डॉ.सुदीप्ता घोष के साथ ही विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस.एस.तोमर, डी.आर.एस, डी.आई. सहित पदाधिकारीगण उपस्थित रहे, कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप

प्रज्वलन कर किया गया, एवं सभी अतिथियों को शाल, श्री फल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो मनदीप शर्मा ने कहा कि जनजातीय समुदाय वैदिक कालखंड से लेकर वर्तमान समय तक प्रकृति के सर्वाधिक समीपस्थ रहने वाली सभ्यताओं में से एक है, साथ ही हमारे जनजातीय बंधु पशुपालन एवं प्रकृति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कुशलता से कार्य करते हैं, वर्तमान में हमारा विश्वविद्यालय भी ऐसे ही उत्कृष्ठ लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि नवीन प्रबंधन तकनीकी जैसे विषयों की जानकारी हमारे जनजातीय बंधुओं तक पहुंचाई जा सके एवं इसके साथ ही उनके समाजिक, आर्थिक एवं शैक्षाणिक स्तर को और अधिक सशक्त बनाया जा सके,हमारा विश्वविद्यालय लगातार इसी दिशा

में अग्रसर है, जिसके अन्तर्गत हम लगातार जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों एवं गांवों में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं पशु स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन लगातार कर रहे हैं, मुख्य अतिथि श्री दीपक खांडेकर जी ने कहा की जनजातीय समाज के सभी लोग पशुपालन एवं मुर्ग़ी पालन जैसे क्षेत्रों में विशेष रूप से अग्रणी है साथ ही जनजाति समुदायों को प्रकृति के साथ सामंजस्य का अच्छा अनुभव है, सरकार इस दिशा में लगातार प्रयासरत है कि हमारे जनजातीय क्षेत्रों का विकास तेजी से किया जा सके एवं इनके स्तर को ऊपर उठाया जा सके, यह कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न हुआ, कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से 75 पशुपालक एवं 50 छात्र–छात्राएं सम्मिलित हुए, कार्यक्रम के द्वितीय चरण में तकनीकी सत्र में पधारे विषय विशेषज्ञ प्रो विवेक कुमार कॉर्डिनेटर भगवान बिरसा मुंडा सेल आईआईटी नई दिल्ली, डॉ प्रियांशी दत्ता को–ऑर्डिनेटर ट्राईबल रिसर्च एंड नॉलेज सेंटर न्यू दिल्ली श्री वैभव सुरंगे समाजसेवी तथा श्री राजाराम कटरा समाजसेवी ने अपने विचार प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान साझा किया, जिसमें उन्होंने जनजाति समुदाय के अध्यात्म अस्तित्व, इतिहास एवं परंपरा के जानने पर प्रकाश डाला, श्री वैभव संगूरे जी ने जनजातीय ज्ञान पर जमीनीस्तर की समस्याओं के बारे में अवगत कराया, इसके साथ ही जनजातीय अनुसंधान एवं ज्ञान केंद्र नई दिल्ली से पधारे डॉ. दीपक कुमार द्वारा जनजातियों का पारंपरिक ज्ञान के व्यावहारिक रूप के बारे मैं चर्चा की साथ ही जैव विविधता पर भी प्रकाश डाला डॉ. प्रियांशी दत्ता द्वारा जनजातीय समुदाय के वास्तविक छवि पर चर्चा की

कार्यक्रम के अंत मैं मध्य प्रदेश विमेन पोल्ट्री प्रोड्यूसर प्राईवेट लिमिटेड भोपाल की सफलता की कहानी का संपूर्ण जानकारी श्री प्रदीप सिंह द्वारा दी गई

डॉ सुनील नायक निदेशक प्रसार शिक्षा छक्टैन् द्वारा सभी तकनीकों सत्रों का सारांश प्रस्तुत किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र दिए गए।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण, डॉ. श्री कांत जोशी, डॉ आर.के. शर्मा, डॉ. मधु स्वामी डॉ. सुनील नायक, डॉ. जी.पी. लखानी, डॉ. बी. राय, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.आदित्य मिश्रा, डॉ. मोहन सिंह, डॉ. माधुरी शर्मा डॉ. प्रीति मिश्रा, डॉ. हरि आर, डॉ. अक्षय गर्ग, डॉ. रामकिंकर मिश्र, डॉ. प्रमोद शर्मा, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. सोना दुबे आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुदिप्ता घोष, सहसंयोजक डॉ. रुचि सिंह, डॉ. अनिल शिंदे तथा विभिन्न कार्यों हेतु गठित समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा, मंच संचालन डॉ. पूनम शाक्य एवं आधार प्रदर्शन डॉ. रुचि सिंह द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर